ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2015; 1(13): 383-385
www.allresearchjournal.com
Received: 21-10-2015
Accepted: 22-11-2015

डॉ. तृप्ति मांझी
अतिथि व्याख्याता
जनजातीय अध्ययन विभाग, रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

Correspondence
डॉ. तृप्ति मांझी
अतिथि व्याख्याता
जनजातीय अध्ययन विभाग, रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

भारत के आर्थिक विकास में महिलाओं की श्रम षक्ति सहभागिता

डॉ. तृप्ति मांझी

आलेख सार
प्रत्येक विकासषील देषों के आर्थिक विकास का मुख्य मुद्दा महिलाओं की क्रियात्मक एवं प्रत्यक्ष आर्थिक सहभागिता है। भारत के आर्थिक विकास एवं वृद्धि के संबंध में भी इस बात का अध्ययन करना आवष्यक है, कि देष की अर्थव्यवस्था में पुरूषों एवं महिलाओं की सक्रिय आर्थिक सहभागिता कितनी है। आर्थिक सहभागिता में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कुल क्रियाषील जनसंख्या 39.79 प्रतिषत है। इस क्रियाषील जनसंख्या में कुल 53.26 प्रतिषत पुरूष और मात्र 25. 51 प्रतिषत स्त्री जनसंख्या ही आर्थिक क्रियाओं में सहभागी है जो कुल क्रियाषील पुरूष जनसंख्या से आधे से भी कम होना दर्षाता है। देष के आर्थिक विकास में महिलाओं की कम आर्थिक सहभागिता एक चिंताजनक एवं विचारणीय स्थिति को दर्षाता है।
भारत में महिला श्रम षक्तिसहभागिता दर(LFPR) का निरन्तर घटना भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में एक कठिन चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। कार्यषील एव अकार्यषील जनसंख्या के संबंध में 2004–05 एवं 2009–10 की अवधी में किए गये सर्वेक्षण से यह स्पष्ट होता है कि महिलाओं की श्रमषक्ति सहभागिता दर(LFPR) में 33.3 प्रतिषत की गिरावट आयी है, जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में 17.8 प्रतिषत एवं नगरीय क्षेत्रों में 14.6 प्रतिषत है। ये स्थितियां भारत के आर्थिक विकास में एक चुनौती के रूप में दिखाई देती है।
मम्मेन एवं पेक्सन (2008)[1] ने महिलाओं की विभिन्न व्यवसायों में सक्रियता को उनके आर्थिक आत्मनिर्भरता के विकास में एक जटिल कारक एवं समाज में प्रस्थिति के सूचक के रूप में विवेचित किया है।
राहुल लाहोटी (2003)[2] के अनुसार भारत जैसे पितृसत्तात्मक समाज में पिछले तीन दषकों की उच्च आर्थिक वृद्धि दर षोध अध्ययनों को इसलिये रोचक बनाती है क्योंकि 2001 से 2011 में 927 से 914 पर घटते लिंगानुपात में स्त्रियों की सुदृढ़ स्थिति दर्षित नहीं होती है। साथ ही यह भी कि भारत में मातृ मृत्यु दर और महिला स्वास्थ्य की स्थिति भी अत्यधिक निम्न है।
क्लेसेन एवं लमन्ना (2009)[3] ने 1960 से 2001 के बीच लगभग 93 देषों के आर्थिक विकास के अध्ययन में स्पष्ट किया है कि महिला श्रम षक्ति सहभागिता (LFP) को दो तरीकों मापा जा सकता है, पहला– महिलाओं की कुल श्रम षक्ति में साझेदारी और दूसरा– पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं की आर्थिक क्रियाषीलता की दर कितनी है।
इस्टीव वोलार्ट (2009)[4] ने 1961–1991 के बीच भारत के 16 राज्यों की आर्थिक क्रियाषीलता के अध्ययन के आधार पर प्रतिपादित किया है कि श्रम बाजार में लिंग आधारित भेदभाव पाया जाता है।
गोल्डिन (1994)[5] ने विवेचित किया है, कि कम आय व कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में महिलाओं की श्रम षक्ति के रूप में सक्रिय सहभागिता केवल पारिवारिक कृषि कार्यो एवं व्यवसायों में सहयोगी भूमिकाओं को निभाने तक ही सीमित है। राहुल लाहोटी (2003)[6] के अनुसार इसका मुख्य कारण पारिवारिक दायित्वों के साथ–साथ कृषि से संबंधित कार्यो को सुगमता से किया जा सकता है। जबकि अन्य व्यवसायों एवं कार्यों के प्रति आकर्षण कम होता है, क्योंकि सामाजिक मान्यताएं इन्हें अन्य कार्यों को करने से रोकती हैं।
प्रत्येक विकासषील देषों के आर्थिक विकास का मुख्य मुद्दा महिलाओं की क्रियात्मक एवं प्रत्यक्ष आर्थिक सहभागिता है। भारत के आर्थिक विकास एवं वृद्धि के संबंध में भी इस बात का अध्ययन करना आवष्यक है, कि देष की अर्थव्यवस्था में पुरूषों एवं महिलाओं की सक्रिय आर्थिक सहभागिता कितनी है। आर्थिक क्रियाओं को संगठित एवं असंगठित सेवा क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है तथा दोनों ही क्षेत्रों में औपचारिक एवं अनौपचारिक आर्थिक क्रियाओं के रूप में स्त्री–पुरूषों की तुलनात्मक

क्रियाषीलता को देखा जाता है। औद्योगिक, कृषि एवं सेवा कार्य संबंधी औपचारिक क्षेत्रों में महिलाओं की क्रियात्मक सहभागिता का मापन संभव है जबकि अनौपचारिक क्षेत्रों जैसे घरेलू सेवा कार्यों, प्रषिक्षण एवं षैक्षणिक कार्यों, पारिवारिक कृषि में सहयोगी क्रियाओं का मापन अत्यधिक कठिन कार्य है।

जनांककीय आधार पर देखें तो देष की कुल जनसंख्या में लगभग 51.74 प्रतिषत पुरूष एवं 48.26 प्रतिषत महिलाएं हैं, जो पुरूषों की जनसंख्या से थोड़ा ही कम है। परन्तु आर्थिक सहभागिता में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कुल क्रियाषील जनसंख्या 39.79 प्रतिषत है। इस क्रियाषील जनसंख्या में कुल 53. 26 प्रतिषत पुरूष और मात्र 25.51 प्रतिषत स्त्री जनसंख्या ही आर्थिक क्रियाओं में सहभागी है जो कुल क्रियाषील पुरूष जनसंख्या से आधे से भी कम होना दर्षाता है। देष के आर्थिक विकास में महिलाओं की कम आर्थिक सहभागिता एक चिंताजनक एवं विचारणीय स्थिति को दर्षाता है।

सारणी क्रमांक 1 : प्रदेषवार श्रम षक्ति सहभागिता दर 2011

क्र.	राज्य/केन्द्र षासित प्रदेष	ग्रामीण			नगरीय			संयुक्त		
		स्त्री	पुरूष	कुल	स्त्री	पुरूष	कुल	स्त्री	पुरूष	कुल
1	अंडमान व निकोबार	17.9	59.1	38.8	17.7	60.35	40.47	17.81	59.59	40.08
2	आंध्रप्रदेष	44.6	58.4	51.5	19.1	54.14	36.75	36.16	59.98	46.61
3	अरूणाचल प्रदेष	39.5	48.5	44.1	21.3	50.91	36.97	35.44	49.06	42.47
4	असम	23.7	53.1	38.7	14.9	56.79	39.41	22.46	53.59	38.36
5	बिहार	20.2	46.7	34.0	10.4	44.90	28.62	19.07	46.47	33.36
6	चण्डीगढ़	14.2	62.2	42.6	16.0	56.34	38.17	16.00	56.51	38.29
7	छत्तीसगढ़	46.3	56.4	51.3	17.4	53.09	35.66	39.70	55.59	47.68
8	दादर एवं नागर हवेली	33.4	56.8	45.9	14.7	66.51	45.48	25.25	61.57	45.73
9	दमन व द्वीव	15.9	58.2	38.6	14.5	75.12	53.58	14.89	71.48	49.86
10	दिल्ली	9.7	49.3	31.1	10.6	53.08	33.34	10.58	52.99	33.28
11	गोवा	22.6	55.5	39.1	21.5	57.48	39.89	21.92	56.76	39.58
12	गुजरात	32.0	57.1	44.9	11.4	57.18	35.73	23.38	57.16	40.98
13	हरियाणा	20.8	50.1	36.4	12.1	51.15	32.95	17.79	50.44	35.17
14	हिमाचल प्रदेष	47.4	59.0	53.3	19.9	55.72	39.22	44.82	58.69	51.85
15	जम्मू एवं कष्मीर	20.8	46.3	34.2	14.5	52.68	35.23	19.11	48.11	34.47
16	झारखण्ड	35.0	50.8	43.0	10.1	46.72	29.26	29.10	49.76	39.71
17	कर्नाटक	38.8	59.8	49.4	20.8	57.81	39.66	31.87	59.00	45.62
18	केरला	20.2	53.6	36.3	16.0	51.76	33.12	18.23	52.73	34.78
19	लक्षद्वीप	12.6	52.3	32.9	10.5	44.56	28.10	10.96	46..25	29.09
20	मध्यप्रदेष	39.3	54.3	47.0	15.1	51.66	34.18	32.64	53.56	43.47
21	महाराष्ट्र	42.5	56.7	49.8	16.8	55.16	36.95	31.06	56.00	43.99
22	मणिपुर	41.2	52.4	46.9	33.2	49.87	41.41	38.56	51.58	45.09
23	मेघालय	35.0	47.0	41.0	23.6	47.68	35.63	32.67	47.17	39.96
24	मिजोरम	41.9	53.9	48.0	31.1	50.89	–	36.16	52.35	44.36
25	नागालैण्ड	52.3	55.7	54.0	25.9	47.95	37.44	44.74	53.42	49.24
26	ओडीसा	29.7	56.5	43.2	14.1	54.08	34.81	27.16	56.11	41.79
27	पुदुचेरी	21.1	54.2	37.4	16.1	54.41	34.84	17.63	54.36	35.66
28	पंजाब	14.3	54.9	35.6	13.2	55.51	35.75	13.91	55.15	35.67
29	राजस्थान	42.7	51.7	47.3	12.0	50.75	32.27	35.12	51.47	43.60
30	सिक्किम	44.6	61.0	53.3	24.8	57.52	41.90	39.57	60.16	50.47
31	तमिलनाडु	41.2	60.0	50.7	21.8	58.54	40.16	31.80	59.31	45.58
32	त्रिपुरा	26.1	55.3	41.1	16.0	56.97	36.76	23.57	55.77	40.00
33	उत्तरप्रदेष	18.3	47.4	33.4	11.3	48.94	31.16	16.75	47.71	32.94
34	उत्तराखण्ड	32.9	49.1	41.0	11.3	50.98	32.36	26.68	49.67	38.39
35	पष्चिम बंगाल	19.4	57.2	38.7	15.4	56.84	36.69	18.08	57.07	38.08
भारत		30.0	53.0	41.8	15.4	53.76	35.31	25.51	53.26	39.79

स्रोतः जनगणना 2011, आंकड़े, रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इण्डिया

भारत में प्रदेषवार ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में महिलाओं एवं पुरूषों के श्रम षक्ति सहभागिता दर 2011 के उपरोक्त सारणी में प्रस्तुत आंकड़ों से प्रदर्षित है कि लगभग सभी प्रदेषों में महिलाओं की आर्थिक सहभागिता अत्यधिक न्यून है। केवल ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि संबंधी कार्यों में ही सहभागिता दिखाई देती है, परन्तु वह भी संतोषजनक स्थिति में नहीं है।

सारणी क्रमांक 2 : विभिन्न श्रम श्रेणियों में पुरूषों की तुलना में स्त्रियों की स्थिति (मुख्य एवं सीमान्त) (करोड़ में)

क्र	श्रमिकोंकी श्रेणी	ग्रामीण			नगरीय			संयुक्त		
		स्त्री	पुरूष	कुल	स्त्री	पुरूष	कुल	स्त्री	पुरूष	कुल
1	कृषक	28.8	35.2	33.0	3.1	2.73	2.80	24.01	24.92	24.64
2	खेतिहर मजदूर	48.5	34.4	39.3	9.0	4.58	5.51	41.09	24.93	29.96
3	गृह उद्योग श्रमिक	5.0	2.6	3.4	8.8	3.72	4.80	5.71	2.95	3.81
4	अन्य श्रमिक	17.7	27.8	24.3	79.1	88.97	86.90	29.18	47.20	41.60
कुल श्रमिक		121.83	226.76	348.60	28.04	105.10	133.15	149.88	331.87	481.74

स्रोतः जनगणना 2011, आंकड़े, रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इण्डिया

मुख्य एवं सीमांत कार्यों में संलग्नता को विभिन्न श्रेणियों में प्रदर्षित करने पर भी महिलाओं की कृषि, खेतिहर मजदूरी, घरेलू उद्योगों व अन्य कार्यों में संलग्नता की स्थिति अत्यधिक न्यून है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में उक्त कृषि संबंधी एवं अन्य कार्यों में पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं की संख्या आधी से भी कम है जो ध्यान देने की स्थिति में है।

सारणी क्रमांक 3 : महिला साक्षरता दर की विभिन्न दषकों में स्थिति

दषक	भारत			मध्यप्रदेष		
	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री
1981	43.57	56.38	29.76	28.3	39.7	16.0
1991	52.21	64.13	39.29	44.7	58.6	29.4
2001	65.04	75.09	54.2	63.7	76.1	50.3
2011	74.04	82.14	65.46	70.6	80.5	60.0

1981 से 2011 तक के दषकों में भारत में महिलाओं की कुल साक्षरता दर सतत रूप से पुरूषों की अपेक्षा अत्यधिक कम रही है। जहां 1981 में महिला साक्षरता दर 29.76 थी वहीं चार दषक बाद भी महिलाओं की साक्षरता दर 65.46 है। महिलाओं की निम्न साक्षरता दर उनके निम्न आर्थिक सहभागिता के संकेतक के रूप में स्पष्ट होती है।

निषकर्ष

जनगणना 2011 के आंकड़ों के आधार पर कहा 53.26 प्रतिषत पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं की 25.51 प्रतिषत श्रमषक्ति सहभागिता दर लगभग आधी से भी कम है, जबकि इसके विपरीत ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं की (30.02) श्रमषक्ति सहभागिता दर (LFPR) पुरूषों (50.03) की तुलना में अच्छी तो है, परन्तु संतोषजनक नहीं है। क्योंकि महिलाओं का ये प्रतिषत अधिकांषतः सीमान्त श्रमिक कार्यों एवं घरेलू कृषि कार्यों में सामान्यतः बिना मजदूरी के श्रमिक के रूप में हैं, जो कि उनकी आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय एवं प्रत्यक्ष क्रियाषीलता को स्पष्ट रूप से प्रदर्षित नहीं करता है। भारत की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की कम आर्थिक सहभागिता निम्न सामाजिक प्रस्थिति के निर्धारक के रूप में सामने आता है, जो चिन्ताजनक स्थिति को स्पष्ट करता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. मन्नेन, क्रिस्टीन, एवं क्रिस्टीना पेक्सन (2008), ''वूमेनस् वर्क एण्ड इकोनॉमिक डेवेलपमेन्ट'', द जर्नल ऑफ इकॉनामिक पर्सपेक्टिव 14 (4)।
2. लाहोटी राहुल (2003), ''इकोनॉमिक ग्रोथ एण्ड फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेषन इन इण्डिया, वर्किंग पेपर नं. 414, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर।
3. क्लेसेन, स्टीफन एवं जेनेक पीटर्स (2012), ''पुस और पुल पार्टिसिपषन ड्यूरिंग इण्डियास् इकोनॉमिक बूम'', इन्स्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ लेबर (आई. जेड. ए.)।
4. इस्टीव–वोलार्ट, बी. (2004), ''जेन्डर डिस्क्रिमीनेषन एण्ड ग्रोथ : थ्योरी एण्ड ऐविडेन्स फ्रॉम इण्डिया'', सोषियल सांइस रिसर्च नेटवर्क।
5. गोल्डिन, सी. (1994), ''द यू–षेप्ड फीमेल लेबर फोर्स फंक्षन इन इकोनॉमिक डेवेलपमेन्ट एण्ड इकॉनामिक हिस्ट्री''. इन इन्वेस्टमेंट इन वूमेन्स ह्यूमन केपिटल एण्ड इकॉनामिक डेवेलपमेन्ट, (संपादित) टी. पॉल सुट्ज, युनिवर्सिटी ऑफ षिकागो।
6. लाहोटी राहुल (2003), ''इकोनॉमिक ग्रोथ एण्ड फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेषन इन इण्डिया, वर्किंग पेपर नं. 414, भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर।
7. सेन्सस ऑफ इण्डिया, 2011
8. रजिस्ट्रार जर्नल ऑफ इण्डिया, 2011 सेम्पल रजिस्ट्रेषन सिस्टम बुलेटिन
9. डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ एम्प्लॉयमेन्ट एण्ड ट्रेनिंग, मिनिस्ट्री ऑफ लेबर एण्ड एम्प्लॉयमेन्ट